वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 159 | शुक्रवार 6 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में 1 लाख 8 हजार बार पढ़ी हनुमान चालीसा

7 घंटे एक साथ 1008 पंडितों ने किया पाठ, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ इवेंट

जयपुर. कासं

जयपुर के एंटरटेनमेंट पैराडाइज (ईपी) में बड़े ही अनूठे और भव्य धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हुआ। इसमें देश के अलग-अलग हिस्सों से आए 1008 पंडितों ने एक साथ एक लाख 8 हजार हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके साथ एक ही छत के नीचे वेद मंत्रोच्चारण और 1008 बार सुंदरकांड का पाठ किया गया। आयोजकों का दावा है कि इस भव्य आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। कार्यक्रम के आयोजक जेकेजे ज्वेलर्स ग्रुप के डायरेक्टर जतीन मौसूण ने बताया- इस आयोजन में राजस्थान समेत देश के कई अलग-अलग भाषाओं के विद्वानों ने 1008 पंडितों के साथ 7 घंटे में एक लाख 8 हजार हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके साथ ही जेकेजे ग्रुप का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया है।

80 फीट के मंच पर भगवान राम का दरबार सजाया गया

यह आयोजन जेकेजे ग्रुप के संस्थापक श्याम सुन्दर मौसूण के 70वें जन्मदिवस के अवसर पर किया गया। इसमें सुबह 11 बजे से सुंदरकांड का पाठ शुरू किया गया। उसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इसके लिए 80 फीट के मंच पर भगवान राम का दरबार सजाया गया। साथ में भगवान गणेश को एक-एक किलो के 70 लड्डुओं का भोग भी लगाया गया। अनुष्ठान के दौरान दिनभर परिवार के सदस्यों ने हवन कुंड में एक लाख 8 हजार बार आहूतियां डाली।

पोते ने दिया दादा को अनूठा उपहार

आयोजक जतीन ने बताया- मेरे दादाजी पिछले 5 साल से प्रतिदिन 108 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते आ रहे हैं। इसे ही देखते हुए दादाजी को उनके 70वें जन्मदिवस पर यह खास और अनूठा आयोजन करने का आइडिया आया। फिर देश के अलग-अलग पंडितों से संपर्क कर उन्हें कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। जेकेजे ग्रुप के संस्थापक श्याम सुन्दर मौसूण ने बताया- मेरी पत्नी की तबीयत आज से 5 साल पहले खराब हो गई थी। कई डॉक्टरों से इलाज कराया, लेकिन कोई फायदा नहीं मिल रहा था। ऐसे में मेरी हनुमान जी पर बहुत आस्था है। इस पर मैंने उसी दिन प्रण किया की हनुमान चालीसा का अब प्रतिदिन पाठ करूंगा। इससे धीरे-धीरे वह स्वस्थ हो गई। तब से लगातार प्रतिदिन मैं 108 बार हनुमान चालीसा का पाठ करता आ रहा हूं। पोते जतीन ने मेरे जन्म दिवस पर बहुत ही अनूठा उपहार दिया है। इस अनूठे आयोजन में जेकेजे ग्रुप की चार पीढ़ियां और लगभग 3000 से अधिक आमंत्रित गणमान्यजन इस अवसर पर एक साथ एक छत के नीचे उपस्थित रहे। परिवार के सदस्य राजकुमार, प्रमोद, राधे श्याम, श्री पुखराज, कैलाश, उपेंद्र, सुनील, अनिल, दीपक उपस्थित रहे।

लायंस क्लब स्पार्कल द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता एवम डेंटल केयर शिविर लगाया

सरकारी स्कूल के 60 बच्चे हुए लाभान्वित

जयपुर. शाबाश इंडिया

4 अक्टूबर को लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय वरुण पथ मानसरोवर में पीस पोस्टर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे स्कूल के पहली कक्षा से पांचवी कक्षा तक के लगभग 60 विद्यार्थियों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया व अपने सपनों की उड़ान को कागज पर उकेरने का छोटा सा प्रयास किया। क्लब द्वारा बच्चों को ड्राइंग शीट उपलब्ध करवाई गई। सबसे सुंदर चित्र बनाने वाले 3 बच्चो को क्लब की और से पुरस्कृत किया गया व सभी बच्चों को बिस्कुट वितरित किया गया। इसी के साथ डेंटल चैकअप कैम्प भी लगाया गया। कैंप में डॉक्टर मिनी जैन व डॉक्टर प्रियंका गर्ग ने अपनी सेवाएं दी। स्कूल के लगभग 60 बच्चो के दांतों का परीक्षण किया, जिसमे छोटे बच्चों को दांतों की सफाई हर दिन करते रहने, व दांतो की सफाई पर पूरा ध्यान देने हेतु बच्चो को प्रेरित किया। इस अवसर पर दोनों डॉक्टर्स का स्वागत अभिनंदन किया गया। उक्त कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष लॉयन रानी पाटनी, सचिव सुजाता स्वर्णकार, कोषाध्यक्ष मंजुपुरी, विजय कोठारी व सुमित्रा गोलिया उपस्थित रही।कार्यक्रम के अंत मे स्कूल की टीचर्स को सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया गया व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जीवन का असली धन व्यक्तित्व निर्माण: गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुन्सी की धरा को पुण्य भूमि बनाने वाली गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को उपदेश देते हुए कहा कि भूतल पर किसी का भी जन्म निरुद्देश्य नहीं होता । प्रत्येक के जन्म की अहमियत एवं सार्थकता है । हमारा जीवन कीड़े - मकोड़ों की तरह अर्थहीन नहीं है । हमारा जन्म और जीवन दोनों उद्देश्य युक्त है । जीवन के प्रति उद्देश्य पूर्ण और सकारात्मक दृष्टि अपनाने पर व्यक्ति अपने प्रत्येक दिन को सार्थक और धन्य करने के लिए प्रयत्नशील हो जाता है । व्यक्ति की मानसिकता के अनुसार ही जीवन और जीवन जीने के मार्ग निर्धारित होते हैं। मानसिकता विचारों को प्रभावित करती है और विचार ही व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं । व्यक्तित्व निर्माण ही जीवन का असली धन है। विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण प्रारम्भ हो चुका है । क्षेत्र पर चल रहे नव - नवीन आयामों एवं आयोजनों का लाभ यात्रीगण को मिल रहा है । कारंजा महाराष्ट्र से पधारे यात्रीगणों ने शांतिनाथ भगवान के प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त किया। गुरु माँ के मुखारविन्द से भगवान जिनेंद्र की अखण्ड शान्तिधारा करने का सौभाग्य अमित जी कोटा, कालूराम जी जयपुर एवं पूनम जी बैनाड़ा जयपुर वालों को प्राप्त हुआ। आगामी नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत दस दिवसीय महार्चना एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान का महा आयोजन होने जा रहा है ।

भक्तामर का अध्यात्म अमृत, भव्य आयोजन

इचलकरंजी, महाराष्ट्र. शाबाश इंडिया। श्री 1008 पदम प्रभु जैन मंदिर इचलकरंजी में दस लक्षण पर्व के दौरान भक्तामर स्तोत्र की महिमा बताते हुए एक अद्भुत कार्यक्रम किया गया । इस कार्यक्रम में प्रारंभ में संकल्प ग्रुप की सदस्यो डॉक्टर सुमन पाटनी, रेखा बड़जात्या, रश्मि कासलीवाल ,गरिमा बागड़ा, सुचिता, संगीता बाकलीवाल द्वारा भक्तामर स्तोत्र के बारे में बताया गया। इस आयोजन में जन जन में भक्तामर स्तोत्र के प्रति श्रद्धा जगाने के लिए भक्तामर की महिमा बताई गई । तत्पश्चात नवयुवक मंडल के सदस्य संदीप पाटनी, संजय बड़जात्या, अजीत कासलीवाल, अमित बगड़ा, सुजल पाटनी ,यशास बाकलीवाल एवं संकल्प ग्रुप की महिलाओं द्वारा अद्भुत प्रस्तुति दी गई जिससे लोगों में बहुत उत्साह एवं जोश उत्पन्न हुआ । इसके बाद समाज के प्रत्येक परिवार से एक-एक काव्य के साथ प्रभु के चरणों में एक-एक दीप समर्पित किया । कार्यक्रम की विशेष बात यह रही की एक-एक परिवार को इंद्र और इंद्राणी की तरह सुसज्जित कर प्रभु के दरबार में प्रवेश कराया गया भक्ति और संगीत की ऐसी साज बजी कि पूरा परिवार भक्ति के सरोवर में डूब गया। ऐसा लगता था मानो समोसारण लगा हो सभी के चेहरों पर मुस्कुराहट और सभी भक्ति का आनंद ले रहे थे। मंदिर की में की गई सजावट कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लग रही थी। इस अवसर पर मंदिर कमेटी अध्यक्ष ज्ञान पाटनी , उपाध्यक्ष विनोद पाटनी तथा समाज के सभी वरिष्ठ सदस्यों ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा की समाज में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे सामाजिक एवं पारिवारिक सामंजस्य एकता बढ़े तथा जिन शासन की शान बढ़े।

वेद ज्ञान

शांति हमारा स्वधर्म

शांति हमारा स्वधर्म है, जिसकी खोज में हम सब लगे हुए हैं। आज हम ऐसे समय में जी रहे हैं जिसमें व्यक्ति बौद्धिक रूप से पहले से अधिक विकसित है। इतनी प्रगति के उपरांत भी हम अशांत क्यों हैं? शांति के लिए क्यों व्याकुल हैं? हमारे बौद्धिक और भौतिक संवर्धन के बावजूद हम शांति का अनुभव क्यों नहीं कर पा रहे हैं? ये चिंतनीय और विचारणीय प्रश्न हैं। हम इस तथ्य से परिचित नहीं हैं कि जिस शांति की खोज में हम भटकते रहते हैं, वह हमारी मूल प्रकृति है, हमारा मूल स्वभाव है। हमारा हृदय अज्ञान से आच्छादित है। हमारा अशांत मन जब सकारात्मक ऊर्जा से रहित हो जाता है तो नकारात्मकता हमारे मन में प्रविष्ट हो जाती है और हमारी इंद्रियां शिथिल होकर अपना प्रभाव हमारे कर्मों पर डालती हैं। परिणामस्वरूप हमें अत्यंत दुख और पीड़ा की अनुभूति होने लगती है और हम उससे छुटकारा पाने की युक्तियां तलाशने लगते हैं। शांति की खोज में हमारा व्यवहार आक्रामक हो उठता है। शांति की खोज के प्रयास में कुछ मानवीय बाधाएं इसे परिसीमित कर देती हैं, जिसमें पहली बाधा मानव शरीर है। हम न तो अपने पूर्वजन्म के बारे में जानते हैं और न ही भविष्य के बारे में, जानते हैं तो केवल अपने वर्तमान के बारे में, लेकिन वर्तमान में भी हम अनुशासित कर्म न कर अयथार्थ कर्म करते जाते हैं और भविष्य के लिए खाई खोदते रहते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि अच्छे व बुरे दोनों तरह के कर्मों का फल मनुष्य कई बार जन्म लेकर भोगता है। कर्म ही पूजा है, यह कर्म ही आपको चिरकाल के लिए महान बनाता है। शांति एक सामूहिक भावना है। इसलिए दूसरों के लिए शांति की उम्मीद रखे बगैर हम केवल अपने लिए शांति की उम्मीद रखें, यह असंभव है। जब तक हम स्वयं के साथ-साथ समाज में शांति स्थापित करने को सकारात्मक कदम नहीं उठाएंगे, तब तक सार्वभौमिक शांति बनाए रखने की कामना पूरी नहीं हो सकेगी। भौतिकवाद के अंतर्गत हमने एक मिथ्या भ्रम पाल रखा है कि अधिक धन-संपदा अर्जित करके हम शांति से जीवन व्यतीत कर सकते हैं, परंतु वास्तव में धन आज तक किसी को शांति नहीं दे सका है। इस संसार की नश्वर वस्तुएं न तो हमारे साथ जाएंगी और न ही हमें शांति दे सकती हैं।

संपादकीय

नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा खोज का सम्मान

यह विषाणु लगातार स्वरूप बदल और अधिक घातक रूप में सामने आ रहा था। तब यह स्पष्ट हो चुका था कि मानव शरीर में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा कर ही इसके प्रभाव को बेअसर किया जा सकता है। ऐसे समय में ऐसा टीका बनाना कठिन काम माना जा रहा था, जो मानव शरीर में प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सके। मगर कारिको और वीसमैन ने एमआरएनए की खोज कर इस चुनौती को आसान बना दिया था। यह विषाणु लगातार स्वरूप बदल और अधिक घातक रूप में सामने आ रहा था। तब यह स्पष्ट हो चुका था कि मानव शरीर में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा कर ही इसके प्रभाव को बेअसर किया जा सकता है। ऐसे समय में ऐसा टीका बनाना कठिन काम माना जा रहा था, जो मानव शरीर में प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सके। मगर कारिको और वीसमैन ने एमआरएनए की खोज कर इस चुनौती को आसान बना दिया था। इस बार चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार की घोषणा निश्चित रूप से एक

ऐसी खोज का सम्मान है, जिससे महामारियों से पार पाने और मानव शरीर में प्रतिरोधी क्षमता विकसित करने का एक नया रास्ता खुला। यह सम्मान कोरोना से लड़ने के लिए एमआरएनए टीके विकसित करने वाले काटालिन कारिको और ड्रयू वीसमैन को संयुक्त रूप से दिया जा रहा है। नोबेल सभा के अनुसार इन दोनों वैज्ञानिकों ने ''न्यूक्लियोसाइड'' आधारों को संशोधित करने से जुड़ी महत्त्वपूर्ण खोजें की है, जिनकी वजह से कोविड-19 के एमआरएनए टीके विकसित कर पाना मुमकिन हो पाया। निश्चित रूप से इन टीकों के विकास की वजह से लाखों जिंदगियां बचाई जा सकीं। कोरोना महामारी के वक्त पूरी दुनिया में लोगों की जान बचाना चुनौती बना हुआ था, इसके विषाणु से लड़ने के लिए कोई भरोसेमंद दवाई उपलब्ध नहीं थी। यह विषाणु लगातार स्वरूप बदल और अधिक घातक रूप में सामने आ रहा था। तब यह स्पष्ट हो चुका था कि मानव शरीर में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा कर ही इसके प्रभाव को बेअसर किया जा सकता है। ऐसे समय में ऐसा टीका बनाना कठिन काम माना जा रहा था, जो मानव शरीर में प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सके। मगर कारिको और वीसमैन ने एमआरएनए की खोज कर इस चुनौती को आसान बना दिया था। कोरोना महामारी के दूसरे चरण में स्थिति यह थी कि हर दिन हजारों लोग मौत के मुंह में समा रहे थे, अस्पतालों में जगह कम पड़ गई थी, कोरोना मरीजों के लिए अलग से शिविर लगाने पड़े थे। ऐसे भयावह वक्त में टीके तैयार करना और फिर उनका परीक्षण करके सभी नागरिकों तक उपलब्ध कराना और भी मुश्किल काम था। मगर दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने इस कठिन चुनौती को स्वीकार किया और कम समय में भरोसेमंद टीकों का निर्माण कर व्यापक पैमाने पर इसकी खुराक देना संभव बनाया था। इस कामयाबी के पीछे कारिको और वीसमैन की खोज ने बड़ी भूमिका निभाई थी। इन वैज्ञानिकों की ही खोज से पता चल सका था कि एमआरएनए हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ कैसे संपर्क करता और यह किस तरह शरीर में प्रोटीन का प्रवाह बढ़ा कर रोगों से लड़ने में मददगार साबित हो सकता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

राजनीति का जरिया...

जाति के आधार पर जनगणना की मांग पुरानी है, मगर राष्ट्रीय स्तर पर इस मांग को लेकर अब तक कोई पहल नहीं हुई है। मगर बिहार में जनता दल (यू) और राष्ट्रीय जनता दल की मौजूदा सरकार ने इस काम को पूरा किया और सोमवार को इसके निष्कर्षों पर आधारित आंकड़े जारी कर दिए। इसके मुताबिक, बिहार में अन्य पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग की कुल आबादी तिरसठ फीसद है। अनुसूचित जातियों की संख्या 19.65 फीसद और अनुसूचित जनजाति की 1.68 फीसद है। सामान्य वर्ग में आने वाली जातियों के लोगों की तादाद 15.52 फीसद है। धार्मिक आधार पर देखें तो कुल हिंदू आबादी 81.9 फीसद और मुसलिम 17.7 फीसद हैं। यानी जाति आधारित जनगणना के बाद राज्य में अलग-अलग जातियों और धर्मों के लोगों की संख्या के बारे में अब तस्वीर साफ हो गई है। इसे लेकर राज्य सरकार की दलील है कि इसके जरिए सभी जातियों की आर्थिक स्थिति की भी जानकारी मिली है और इसी के आधार पर अब सभी सामाजिक वर्गों के विकास और उत्थान के लिए काम किया जाएगा। जाहिर है, सरकार के दावे के आलोक में देखें तो जाति आधारित जनगणना के आंकड़े आने के बाद सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में भागीदारी का सवाल हल करने और जरूरतमंद तबकों की स्थिति में सुधार के लिए नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। मगर यह देखने की बात होगी कि इसका उपयोग विकास और उत्थान में कितना होगा और कितना इसका इस्तेमाल राजनीतिक मुद्दे के तौर पर किया जाएगा। दरअसल, यह सवाल अक्सर उठाया जाता रहा है कि सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को लक्षित सरकारी नीतियों में जिन तबकों की हिस्सेदारी तय की जाती है, उनके बीच के कुछ समर्थ समूह उसका लाभ उठा लेते हैं और एक बड़ा हिस्सा वंचित रह जाता है। खासकर पिछड़े वर्गों को हिस्सेदारी के संदर्भ में यह दावा किया जाता रहा है कि अब इस तबके की आबादी काफी ज्यादा हो गई है और इसके मुकाबले इन्हें मिलने वाला आरक्षण काफी कम है। इसके अलावा, जाति और वर्ग के आधार पर बनाई गई मौजूदा योजनाओं और कार्यक्रमों में कुछ खास सामाजिक समुदायों को आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी नहीं मिल पाती है, क्योंकि उनकी संख्या से संबंधित कोई अद्यतन पुख्ता आंकड़े नहीं हैं। सवाल है कि इस मसले पर अब तक चलने वाली जद्दोजहद का कारण क्या सिर्फ यही रहा है कि इसके जरिए सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में सभी तबकों को न्यायपूर्ण भागीदारी दिलाई जा सके! हो सकता है कि जाति और वर्ग के आधार पर बनने वाली नीतियों पर इसका असर दिखे। हालांकि यह बिहार सरकार की इच्छाशक्ति पर निर्भर होगा कि वह आबादी के अनुपात में सबकी भागीदारी और इसके साथ-साथ न्यायपूर्ण तरीके से बिना भेदभाव किए वंचित वर्गों के हित कैसे सुनिश्चित कर पाती है। बिहार में हुई इस कवायद का राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक असर यह पड़ सकता है कि देश भर में जाति आधारित जनगणना की मांग जोर पकड़े और यह एक चुनावी मुद्दा भी बने। यों सर्वोच्च न्यायालय ने पटना उच्च न्यायालय के इससे संबंधित फैसले के खिलाफ की गई अपील पर सुनवाई की स्वीकृति दे दी है। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि वक्त के साथ जाति के आधार पर पूर्वाग्रह-दुराग्रहों को कमजोर करना राजनीतिकों का दायित्व होना चाहिए।

बगरू वाला जैन मंदिर में दस लक्षण में हुए भव्य आयोजन

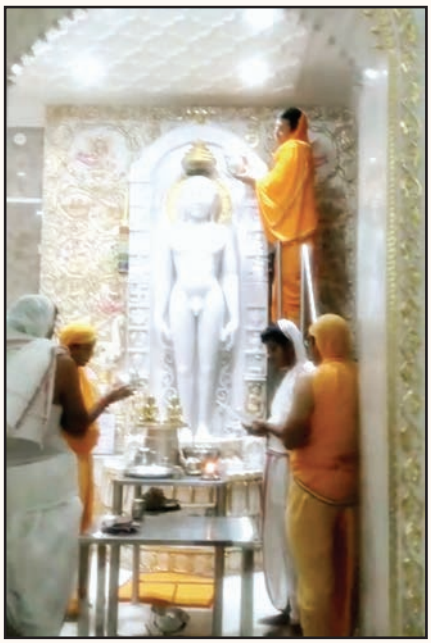

जयपुर. शाबाश इंडिया

बगरू वाला जैन मंदिर स्टेशन रोड पर दश लक्षण पर्व हर्षोल्लास विभिन्न कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न किया गया। इसका प्रारम्भ झडा रोहण से हुआ। द्वितीय दिन ध्वजदंड की स्थापना की गई। प्रतिदिन सामुहिक शांतिधारा, सामुहिक मंडल पूजा विधान, सामुहिक संध्या आरती एवं प्रवचन का कार्यक्रम रखा गया। शनिवार को 48 दीपकों द्वारा भक्तामर स्त्रोत की अर्चना की गई। इसमें विभिन्न महिला एवं पुरुष वर्ग ने सांस्कृतिक नृत्य भी किए। सुगंध दशमी के अवसर पर महाआरती के साथ मंदिर को दीपकों से सजाया गया। चतुर्दशी के दिन 24 मंडल विधान पूजन एवं वासुपुज्य भगवान को निर्वाण लाडू भी चढ़ाया गया। शाम को जिनाभिषेक एवं श्रीजी की माल एवं आरती का कार्यक्रम किया गया। साथ ही क्षमावणी के दिन पंचामृत कलशाभिषेक किए गए। सभी कार्यक्रम समाज के लोगों के सहयोग से बहुत ही धूम-धाम से सम्पन्न हुए।

शुगर रोग को कैसे खत्म किया जाये?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

ब्रह्मांड की सबसे सुपर पावर दवा है हरी पत्तियां ग्रीन लिप्स यह एसी दवा है कि बड़े से बड़े बीमारी भी खत्म कर सकती है। कुत्ता शेर जब बीमार पड़ते हैं तो घास खाते हैं ठीक हो जाते हैं सारे पशु पक्षी जानवर घास खाते हैं और ठीक हो जाते हैं इंसान हरे पत्तियों को कुछ समझता ही नहीं है, हरे पत्तियों में क्लोरोफिल होता है जो बहुत बड़ा डॉक्टर है यब बॉडी को रिपेयर कर देता है न्यू कर देता है सारी बीमारियों को खत्म कर देता है। ऑटोफेजी सिस्टम को चालू कर देता है जो सारी बीमारियों को खो जाता है। आप हरा पत्ता जैसे खायेगे और गोलियां कम करेंगे आपका ब्लड शुगर लेवल कम हो जाएगा गोलियां जरूर कम कीजिएगा अगर हरे पत्ते खा रहे हैं तो गोलियां बंद करिए और हरे पत्ते खाइए स्वस्थ रहिए दुनिया का सबसे बड़ा पावरफुल सबसे बड़ा, इससे बड़ा पावरफुल दुनिया में कोई भी दवा नहीं है। लोग दुनिया में शुगर शुगर शुगर की बीमारी शुगर की बीमारी कर करके लोगों को डरा डरा करके दवाइयां देते जा रहे हैं। कोई दवाई 10 साल से खा रहा है ,20 साल से खा रहा है कोई 50, 50 साल से खा रहा है, फिर भी शुगर जा नहीं रहा, शुगर की बीमारी बढ़ती जा रही है बढ़ती जा रही है । आखिर क्या कारण है मैं तो कहता हूं शुगर मात्र तीन दिन में ठीक हो सकता है तीन दिन में शुगर की बीमारी मात्र तीन दिन में ठीक हो जाता है। डॉक्टर लोगों को डरा डरा करके अपनी दवाइयां बेच रहे हैं अपना आमदनी कर रहे हैं पैसा कमा रहे हैं तीन दिन में शुगर की बीमारी जड़ से खत्म हो जाती है इसका उपाय क्या है आप गोलियां बंद करिए और सिर्फ दिन भर में दो टाइम खाना खाईए वह भी रॉ वेजिटेबल रॉ वेजिटेबल दिन भर में दो टाइम करिए 10 से 11 के बीच में और शाम को 5 से 6 के बीच में चार से पांच के बीच में करने के बाद आप कुछ भी नहीं खाएंगे और सुबह 9:00 से 10 के बीच में खाने के बाद फिर आप कुछ भी नहीं खाएंगे आप देखिए तीन दिन में आपका शुगर नॉर्मल हो जाएगा। लोग विश्वास नहीं करते परमात्मा के बनाई हुई दवा पर लोगों का विश्वास नहीं है। इंसान के बनाये हुए दवा पर विश्वास है, इंसान को लोगों ने भगवान मान लिया, भगवान को लोगों ने इंसान मान लिया। क्या उल्टा गंगा बह रही है लोग बात समझते ही नहीं है कि शरीर में ऐसी शक्तियां है, आपके शरीर में स्वयं भगवान बैठा हुआ है बैद्यनाथ, बैद्यनाथ आपके शरीर में बैठा हुआ है और बाहर आप वैद्य को ढूंढ रहे हो, अंदर के वैद्यनाथ को समर्पित हो जाओ सारी बीमारियां खत्म हो जाएंगी। शुगर क्या है बड़े से बड़े रोग छुटकियो में खत्म हो जाते हैं।

।। जैन धर्म जयन्वत हो ।।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा

राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड

में

राजस्थान सरकार
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग
आदेश

क्र.सं.	नाम	पद
1.	श्री सुधान्शु कासलीवाल	अध्यक्ष
2.	श्री प्रकाशभाई सिंघवी	उपाध्यक्ष
3.	श्री अशोक पाटनी, किशनगढ़	सदस्य
4.	श्री दिनेश खोड़निया	सदस्य
5.	श्री मनीष मेहता	सदस्य

निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव

Signature valid

श्री सुधान्शु जी कासलीवाल (अध्यक्ष)
श्री प्रकाशभाई जी सिंघवी (उपाध्यक्ष)
श्री अशोक जी पाटनी, किशनगढ़ (सदस्य)
श्री दिनेश जी खोड़निया (सदस्य)
श्री मनीष जी मेहता (सदस्य)

को मनोनीत किये जाने पर

सकल जैन समाज हर्षित है।

उपरोक्त मनोनीत जैन समाज के यशस्वी बन्धुओं का विभिन्न संस्थाओं द्वारा

।। अभिनन्दन समारोह ।।

शनिवार, दिनांक 7 अक्टूबर, 2023 • दोपहर 3.00 बजे
स्थान : भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

आप सादर आमंत्रित है।

समारोह संयोजक :
श्री राकेश छाबड़ा
86969-01634

: आयोजक एवं निवेदक :

राजस्थान जैन सभा

(जैन समाज का एकमात्र प्रादेशिक प्रतिनिधि पंजीकृत संगठन)

सुभाष चन्द जैन	दर्शन जैन	मुकेश सोंगानी	विनोद जैन कोटखावदा	भानू कुमार जैन	राकेश छाबड़ा	मनीष बैद
अध्यक्ष	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	संयुक्त मंत्री	कोषाध्यक्ष	महामंत्री
98290-14617	94140-73035	98290-56224	93142-78866	94136-76324	86969-01634	94140-16808

कार्यकारिणी सदस्यगण....
शैलेन्द्र शाह 'चीकू' | अमर चन्द दीवान खोराबासल | अशोक कुमार पाटनी | निर्मल कासलीवाल | सूर्य प्रकाश छाबड़ा | कमल बाबू जैन | प्रदीप जैन बड़जात्या राजीव कुमार पाटनी | आर. के. जैन रेलवे | यशकमल अजमेरा | अनिल छाबड़ा | राकेश कुमार गोधा | सुभाष कुमार बज | जिनेन्द्र कुमार जैन 'जीतू'
सहवृत सदस्यगण.... अशोक जैन 'नेता' | महेश काला एडवोकेट | श्रीमती मीना जैन चौधरी | श्रीमती सीमा जैन गाजियाबाद

विश्वमैत्री दिवस समारोह उत्साह पूर्वक मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्वमैत्री दिवस के उपलक्ष्य में प्राकृत- अध्ययन-शोध-केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर की ओर से दिनांक 5 अक्टूबर 2023 को विश्वविद्यालय के सभागार में मनाया गया। जिसमें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के निदेशक प्रो. सुदेश कुमार शर्मा ने अध्यक्ष रूप में, प्रो. वाई. एस. रमेश जी विशिष्ट अतिथि के रूप में एवं जैन अनुशीलन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व निदेशक प्रो. पी.सी.जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। डॉ. दर्शना जैन ने कार्यक्रम का कुशल संचालन एवं संयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने क्षमा की उत्पत्ति, उसका महत्व एवं क्षमा का समाज में क्या प्रभाव है इस पर प्रकाश डाला, विशिष्ट अतिथि ने विश्व मैत्री दिवस पर प्रकाश डालते हुये कहा कि यह दिन सभी के लिये है, यह केवल जैनधर्म का पर्व नहीं अपितु सम्पूर्ण मानव जाति का पर्व है। क्षमा मांगना बहुत कठिन है, जो यह कार्य कर लेता है, वहीं वास्तव में बलवान है। अन्त में अध्यक्षीय उद्बोधन में निदेशक महोदय ने विश्वमैत्री दिवस को प्रत्येक वर्ष उत्साह पूर्वक मनाने का सुझाव दिया और कहा आज के युग में विश्वमैत्री की अत्यन्त आवश्यकता है, यह क्रोध पर विजय का महत्वपूर्ण पर्व है, जिस प्रकार होली में आपस में मन मुटाव भुलाकर भाईचारा निभाया जाता है, उसी प्रकार विश्वमैत्री दिवस में वर्ष भर में की गई गलतियों के लिये क्षमा याचना कर मन को निर्मल बनाया जाता है। यह पर्व विभाव से स्वभाव में लौटने का मार्ग है। प्रत्येक छात्रों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों को इस पर्व से सीख लेनी चाहिये और अपने सहपाठी अध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र के साथ मैत्री पूर्ण भाव रखना चाहिये। इससे सौहार्द का विकास होता है। इस कार्यक्रम में सभी विभागों के अध्यापकगण एवं छात्रों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राकृत अध्ययन-शोध-केन्द्र के विकास अधिकारी डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जैन, डॉ.सतेन्द्र कुमार जैन, डॉ. दर्शना जैन एवं डॉ. प्रभात कुमार दास ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। अन्त में शान्तिपाठ के साथ सभा का समापन हुआ।

नौ दिवसीय नवचण्डी यज्ञ 15 से

उदयपुर. शाबाश इंडिया। गुरुदेव श्री महामण्डलेश्वर मनीषानंद महाराज के सानिध्य में 9 दिवसीय श्री नवचंडी महायज्ञ, मंत्र जाप एवं भजन संध्या का आयोजन 15 अक्टूबर से नवरात्री पर्व के अवसर पर सायरा तहसील के प्राचीन श्री मृगेश्वर महादेव मन्दिर की भूमि भृगुऋषि तपोस्थली आश्रम ग्राम कांजी का गुड़ा पंचायत जेमली में आयोजित होगा। कार्यक्रमानुसार 15 अक्टूबर दोपहर कलश स्थापना के साथ आयोजन का श्री गणेश होगा। इसके बाद प्रतिदिन प्रातः पूजन, मंत्र जाप एवं हवन पंडितों द्वारा पारम्परिक विधि विधान से किया जाएगा, साथ ही रात्रि में 7 दिवसीय भजन संध्या अलग-अलग गायक कलाकारों द्वारा व 1 द्विवसीय पारम्परिक गरबा महोत्सव का आयोजन रखा गया है, जिसमें 15 अक्टूबर से दीपक मतराना, लहरुदास वैष्णव, महेंद्रसिंह राठौड, छोटू सिंह रावणा, महेंद्रसिंह बरवड़, गुरुमुखी सत्संग भक्तमण्डल एवं ग्रामवासियों द्वारा एवं मेरूलाल भाट अपनी अपनी प्रस्तुति देंगी। अंतिम दिन यानी 23 अक्टूबर को पूजन हवन के साथ पूणार्हूति, कन्या पूजन एवं महाप्रसादि का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि यहां स्थापित महादेव और सिद्ध भूमि आश्रम के दर्शन मात्र से ही समस्त रोगों का नाश होता है। यहां जाने वाला कोई भी भक्त कभी भी खाली हाथ नहीं लौटा है। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री जी का

आभार

श्रीमान सुधांशु जी कासलीवाल को बनाया नवगठित श्रमण संस्कृति बोर्ड का अध्यक्ष और अशोक जी पाटनी (आर के मार्बल) व दिनेश खोडानिया को बनाया सदस्य।

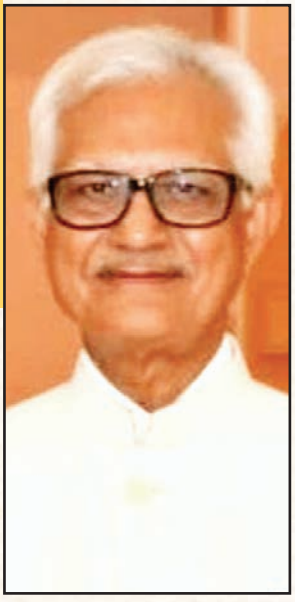

प्रकाश भाई सिंघवी को उपाध्यक्ष बनाये जाने और मनीष जी मेहता को सदस्य बनाये जाने के आदेश सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने जारी कर दिये हैं।

आप सभी को बहुत-बहुत बधाई

आशा हैं आप के कुशल नेतृत्व मे समाज के कार्य कुशलतापूर्वक पूर्ण होगे ।

Vinod Patni: Advocate-President AOTPP Rajasthan

सरकार ने श्रमण संस्कृति बोर्ड में मनोनित किए पदाधिकारी

अध्यक्ष एडवोकेट सुधांशु कासलीवाल, उपाध्यक्ष प्रकाशभाई सिंघवी सहित तीन सदस्य किए नियुक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया। विगत कई वर्षों से राजस्थान जैन समाज विभिन्न मंचों से श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन की मांग कर रहा था, जिसको लेकर अभी कुछ माह पूर्व जैन समाज के एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर इस संदर्भ में ज्ञापन भी दिया था, जिसके बाद कर्नाटक में आचार्य काम कुमार नंदी की निर्मम हत्या के दौरान जब सकल जैन समाज सड़को पर आया तो उस दौरान भी समाज ने मुख्यमंत्री से श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन की मांग को पुरजोर तरीके से रखा, जिसका जैन समाज को प्रतिफल भी मिला और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने समाज की मांग को स्वीकार कर राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन को मंजूरी प्रदान कर दी। लगभग 1 माह बाद गुरुवार को गठित बोर्ड के 5 पदाधिकारियों का मनोनय कर घोषणा की जिसमें श्री महावीर तीर्थ क्षेत्र कमेटी अध्यक्ष एडवोकेट सुधांशु कासलीवाल को अध्यक्ष, प्रकाशभाई सिंघवी को उपाध्यक्ष मनोनीत करने के साथ ही विख्यात समाजसेवी और कारोबारी, आरके मार्बल प्रमुख अशोक पाटनी (किशनगढ़), दिनेश खोड़निया (डूंगरपुर) और मनीष मेहता को सदस्य मनोनित कर घोषणा की गई। गुरुवार को हुई घोषणा के बाद अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू, अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा प्रबंध कार्यकारिणी अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन, राजस्थान जैन सभा अध्यक्ष सुभाष जैन पांड्या, राजस्थान जैन युवा महासभा अध्यक्ष प्रमोद जैन लाला सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय बापना, श्रीमती रोमा जैन, समाजसेवी राजीव जैन गाजियाबाद, आलोक जैन तिजारिया, पूर्व आईपीएस अनिल जैन, धर्मचंद पहाड़िया, ज्ञानचंद झांझरी सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और समाज बंधुओ ने ना केवल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताया बल्कि राजस्थान सरकार का धन्यवाद भी किया और मनोनित पदाधिकारियों को बधाई दी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

वर्ल्ड वन्य जीव सप्ताह के अंतर्गत वन्यजीव संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

वन्यजीव संरक्षण में पशु चिकित्सकों की अहम भूमिका : मनीष सक्सेना

जयपुर. शाबाश इंडिया

69 वे वर्ल्ड वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण के लिए कार्यरत वर्ल्ड संगठन, वन विभाग राजस्थान सरकार, भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड तथा वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर स्थित हाथी गांव में पशुचिकित्सकों के लिए विशेष तकनीकी एवं शैक्षणिक वन्यजीव संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन्य जीव संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम में जयपुर स्थित अपोलो कॉलेज आफ वेटरिनरी मेडिसिन, स्नातकोत्तर पशु चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान तथा गुजरात स्थित नवसारी वेटरनरी कॉलेज के 90 से अधिक पशु चिकित्सकों तथा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में वन्यजीव विशेषज्ञ तथा वर्ल्ड संगठन के निर्देशक मनीष सक्सेना ने वन्यजीव संरक्षण तथा डॉल्फिन सहित सहयोगी जलीय प्रजातियों के संरक्षण के संबंध में प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की ' मनीष सक्सेना ने वन्यजीव चिकित्सा के क्षेत्र में पशुचिकित्सकों के देश विदेश में बढ़ते नौकरियों के अवसर, योगदान तथा वन्यजीव संरक्षण में पशु चिकित्सकों की अहम भूमिका के बारे में बतलाया। कार्यक्रम के दौरान एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय वन सेवा के अधिकारी तथा उपवन संरक्षक वन्यजीव जयपुर चिड़ियाघर संग्राम सिंह कटियार ने पशुचिकित्सकों को संबोधित करते हुए प्रतिभागी पशुचिकित्सकों की विभिन्न जिज्ञासाओं एवं प्रश्नो के उत्तर दिए तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम का संचालन वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो की प्रतिनिधि वैष्णवी एम सक्सेना ने करते हुए प्रतिभागियों को वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के उद्देश्य, कार्य प्रणाली एवं देशभर में वन्यजीव संबंधित संगठित अपराध को रोकने में योगदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी । कार्यक्रम में वर्ल्ड संगठन की उपनिदेशक नम्रता, शिशिर सिन्हा, देवांश सैनी, डॉ बृजेश कुमार तथा डॉ सुरेंद्र कुमार कोली ने हिस्सा लिया ।

रिपोर्ट : मनोज सिंह कार्यक्रम अधिकारी

उद्योग भवन में राजसिको की 371वीं बोर्ड बैठक हुई आयोजित

जयपुर. कासं। उद्योग भवन में राजस्थान लघु उद्योग निगम (राजसिको) की गुरूवार को 371वीं बोर्ड बैठक चैयरमेन राजीव अरोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में कार्यसूची के अनुरूप चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अरोड़ा ने बोर्ड बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का जिक्र करते हुए कहा कि राजस्थान हस्तशिल्प एवं दस्तकारों को बढ़ावा देने हेतु राजस्थली एम्पोरियम जयपुर में विक्रय संवर्धक की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य की लघु उद्योग इकाईयों को बेहतर विक्रय विपणन सहायता प्रदान करने हेतु निगम निदेशकों की कमेटी गठन का फैसला लिया है, यह विपणन में अधिक अवसर प्रदान करने हेतु अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट आगामी बोर्ड बैठक में प्रस्तुत करेंगे।

तीये की बैठक

हमारी प्रिय **मंजू देवी** धर्मपत्नी राजेंद्र कुमार बाकलीवाल (राजाबाबू बस्सीवाले) का आकस्मिक निधन दिनांक 5/10/2023 को हो गया है ।

जिनकी **तीये की बैठक** दिनांक 7/10/2023 को प्रात: 9:00 बजे भट्टारक जी की नसियां नारायण सिंह सर्किल पर रखी गई है।

–: शोकाकुल :–

सुमित्रा देवी (जेठानी) परिवेश-श्वेता (पुत्र पुत्रवधू) स्मिता-ललित जी ,प्रियंका-अनुपम जी (बेटी-बेटी जवाई) परिणय, तन्मय (पौत्र) महावीर कुमार (जेठ) जम्बू कुमार, दर्शन,कुमार नवीन कुमार,पवन कुमार, धर्मेश, अभिषेक (भतीजे) रितेश, वैभव,अभिनव, अर्पित, रोहन (पौत्र) नीलिमा-प्रदीप जी, विनीता-पंकज जी, (भतीजी-भतीजी जवाई) रितिका-आशीषजी, रिचा-तरुणजी, प्रियल-युवराजजी, (पोत्री-पोत्री जवाई) एवं समस्त बाकलीवाल परिवार (बस्सीवाले)

पीहर पक्ष: प्रेमलता, विनय-संतोष, श्रेयांस-श्वेता नृपत्या भरतपुर वाले ।

फर्म: -छीतरमल भुरामल जैन, विरासत बिल्डर्स.जयपुर

विश्व मुस्कान दिवसः जरा मुस्कुराइए!

जरा मुस्कुराइए कि मुस्कान का दिन है...
तोहफा खूबसूरत, अरमान का दिन है...
सौ मुश्किलों पर भारी एक मुस्कान...
मुस्कान से मुस्कान की मुलाकात का दिन है!

आज वर्ल्ड स्माइल डे' यानी कि 'विश्व मुस्कान दिवस है, जिसे हर बरस अक्टूबर माह के पहले शुक्रवार को मनाया जाता है। दुनिया को मुस्कान के महत्व से रूबरू कराने का खयाल अमेरिका के आर्टिस्ट 'हार्वे बॉल' को साल 1963 में तब आया, जब वे अपनी कला के रंग स्माइल फेस आइकॉन की विविधताओं में उकेरने में जुटे थे! सन1999 में पहली बार दुनिया भर में मुस्कुराहट की महत्ता को सेलिब्रेट किया गया। साल 2001में इस कलाकार ने दुनिया को अलविदा कहा और उनके नाम पर वर्ल्ड स्माइल फाउंडेशन सक्रिय हुआ। आज हम चैटिंग के दौरान जिन मुस्कुराते आइकॉन्स का इस्तेमाल करते हैं, वे कलाकार हार्वे बाल की देन हैं। निश्चित ही 'वर्ल्ड स्माइल डे' मनाने के पीछे का मकसद इंसान की जिंदगी में मुस्कान के महत्व को समझना, समझाना और मुस्कुराना है।

माना हजार मुश्किलों का नाम जिंदगी,
उठा पटक, आपाधापी, घमासान जिंदगी,
जीना है प्यारे जिंदादिली से जिनको
हौसला मुस्कान का संवारे, कर आसान जिंदगी!

मुस्कान की नेमत...
मुस्कुराए सेहत!
लीजिए 365 दिन मुस्कुराते रहने का लाइसेंस!

तनाव की घेराबंदी से बाहर आने का पहला टोटका खुशमिजाजी! मुस्कुराइए और समाधान में जुट जाइए! किसी बच्चे को गुदगुदाइए! उसकी खिलखिलाहट निश्चित ही उत्साह और सकारात्मकता को आमंत्रण देगी। हर मुस्कान आपके ब्लड प्रेशर में कमी लाने का सबब बन सकती है। मुस्कुराते समय शरीर से 'इंडोर्फिन्स' निकलता है, जो कि एक प्राकृतिक पेनकिलर का काम करता है। दर्द से कुछ राहत महसूस हो सकती है। मुस्कुराने से मन हल्का होकर मिजाज बदल जाता है। सोच में सकारात्मक भाव आने लगते हैं। मुस्कुराने से चेहरे की मसल्स की एक्सरसाइज होती है, त्वचा में कसाव आता है। असमय आते बुढ़ापे से बचा जा सकता है! सोचिए आप कितने भाग्यशाली हैं कि मानव जीवन पाया है। प्रकृति ने और किसी जीव को हंसने मुस्कुराने की नेमत नहीं बख्शी! मुसकान दिवस से एक दिन का नहीं, तीन सौ पैंसठ दिन मुस्कुराने का लाइसेंस लीजिए! मुस्कुराइये जनाब, नहीं तो भरो जुर्माना! जनता से जुड़े सरकारी दफ्तरों के कर्मचारियों से आमजन की अक्सर शिकायत रहती है कि उनका बर्ताव बेरुखी भरा हतोत्साहित करने वाला रहता है। इस समस्या को भांपते फिलिपीन्स के मेयर ने स्थानीय स्तर पर पारित कर सरकारी कर्मचारियों को दफ्तर में मुस्कुराते हुए काम करने का आदेश जारी किया। आदेश में सरकारी कर्मचारियों को साफ कहा गया है कि जो इस आदेश को नहीं मानेगा, उसकी छह महीने की सैलरी काटी जा सकती है, नौकरी से सस्पेंड भी किया जा सकता है। बहरहाल सरकारी कर्मचारियों को दफ्तर में मुस्कुराते हुए काम करने का आदेश इसी सत्य को पुख्ता करता है कि जीवन में हंसते-मुस्कुराते रहना महत्वपूर्ण है, फिर चाहे आप दफ्तर में हों या घर पर. हालांकि, अभी तक इसे कानून नहीं बनाया गया। लेकिन आदेश के मुताबिक सरकारी कर्मचारियों को दफ्तर में मुस्कुराने का आदेश दिया गया है। इस पॉलिसी का नाम स्माइल पालिसी है, जिसके तहत सरकारी कर्मचारियों को मुस्कुराते रहने का आदेश दिया गया। मेयर स्थानीय सरकार के स्तर पर सेवाओं में सुधार करना चाहते थे। ऐसा इसलिए कि जब लोग अपने काम के लिए दफ्तरों में आएं तो उन्हें खुशनुमा माहौल मिल सके। क्यूजॉन प्रांत के मूलाने टाउन में जुलाई 2022 में कार्यभार संभालते ही एरिस्टोटल 'स्माइल पॉलिसी' लेकर आए। मेयर का कहना है कि उन्हें शिकायत मिली थी कि स्थानीय स्तर पर अच्छा व्यवहार नहीं हो रहा है, इसीलिए, ये पॉलिसी लागू करने की जरूरत महसूस हुई। गौरतलब है कि मेयर बनने से पहले एरिस्टोटल एक ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट भी रह चुके हैं। वे चाहते हैं कि सरकारी कर्मचारियों के रवैये में बदलाव आना चाहिए। बहरहाल चेहरे पर मुस्कान चस्पां करने का असर मुस्कान ही होगा!

मुस्कुराइए न आप भी...
माना कि जिंदगी में मुश्किलें हजार हैं...
मुस्कुराइए कि भोर सुहानी, मौसम खुशगवार है!
आमीन!

-साधना सोलंकी राजस्थानी

वात्सल्य रत्नाकार आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज का अवतरण दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

वात्सल्य रत्नाकार आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज का अवतरण दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ झुमरी तिलैया में विराजमान जैन संत मुनि श्री 108 सुयश सागर जी गुरुदेव के सानिध्य में मनाया गया। आचार्य श्री विमल सागर जी की प्रतिमा को झाझंरी निवास से प्रातः जयकारे के साथ भक्तजनों ने लाया, जिसका अभिषेक और विश्व शांति धारा समाज के अध्यक्ष ललित सेठी, कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र झांझरी, ,पदाधिकारी सुरेश झाझंरी, जय कुमार गंगवाल और भक्त जनों ने किया, उसके बाद भगवन की पूजन के साथ निमित ज्ञानी पूज्य वात्सल्य दिवाकर आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महामुनिराज की पूजन कोडरमा में विराजमान संत मुनि श्री 108 सुयश सागर जी के मुखारबृन्द से हुवा अष्ट द्रव्य चढ़ाकर संगीतमय पूजन सुबोध -आशा गंगवाल की जोड़ी ने बहुत ही भक्तिभाव के साथ कराया। सभी भक्त झूमते हुवे आचार्य श्री की प्रतिमा के चरणों मे अर्घ समर्पित किया। पूजन के पश्चात समाज के सभी वरिष्ट सदस्य और विमल भक्त सुरेश झांझरी,जय कुमार गंगवाल, सुरेन्द काला, नरेंद झांझरी ने अपने विनयांजलि प्रस्तुत किया विमल सागर जी महाराज के समक्ष दीप प्रज्वलन का सौभाग्य रांची से आये नरेंद पण्ड्या के परिवार को प्राप्त हुआ।जैन संत श्री 108 गुरुदेव सुयश सागर जी ने आचार्य विमल सागर जी महाराज का 108 वॉ अवतरण दिवस पर अपनी अमृतवाणी में कहा कि वात्सल्य रत्नाकार आचार्य विमल सागर गुरुदेव महा तपस्वी ,शास्त्र ज्ञाता, निमित्त ज्ञानी थे,, वे हमेशा तप त्याग ध्यान में लीन रहकर विश्व शांति मंत्र के जाप करते थे, भक्तजनों के प्रति उनका वात्सल्य हमेशा बना रहता था,पूरे भारतवर्ष से लोग उनके दर्शन और आशीर्वाद के लिए लालायित रहते थे, लोगों का उनके प्रति अगाध आस्था श्रद्धा और भक्ति थी, सम्मेद शिखर पारसनाथ में उनकी समाधि हुई थी, प्रतिवर्ष पूरे भारतवर्ष से हजारों लोग उनकी समाधि और प्रतिमा का दर्शन करने के लिए आते हैं लोगों में ऐसी धारणा थी कि उनके दर्शन आशीर्वाद मात्र से ही उनके सभी कार्य पूर्ण हो जाते थे मौके पर मंत्री ललित सेठी, उपाध्यक्ष कमल सेठी,सह मंत्री राज छाबडा,,लट्टू भैया,अजय सेठी,मुनि श्री 108 प्रांजल सागर जी महाराज की गृहस्थ अवस्था की माता कुसुम कासलीवाल, किरण ठोल्या, मीडिया प्रभारी राजकुमार अजमेरा, नविन जैन आदि सैकड़ो भक्तजन मौजूद थे।

गुदड़ी मंसूर खां जैन मंदिर में मनाया वार्षिक कलशाभिषेक महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज गुदड़ी मसूर खां के तत्वावधान में आगरा के गुदड़ी मसूर खां स्थित श्री शीतलनाथ दिगंबर जैन मंदिर सेठ किशन बिहारीलाल की धर्मशाला में वार्षिक कलशाभिषेक महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भक्तों ने महोत्सव का शुभारंभ संगीतमय श्रीजी की नित्य नियम पूजन एवं पंचपरमेष्ठी विधान के साथ किया। इसके बाद भक्तों ने श्रीजी की प्रतिमा को पांडुक शिला पर विराजमान कर अभिषेक की मांगलिक क्रियाएं संपन्न की।इस दौरान भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा थो सायःकाल भक्तों ने संगीतमय श्रीजी की मंगल आरती की। इसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें स्कूल के बच्चों एवं प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सामोद पद यात्रा व वार्षिक मेला 7अक्टूबर को

चौमूं. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज चौमूं के तत्वाधान में दिनांक 7 अक्टूबर को पद यात्रा चौमूं से सामोद के लिए रवाना होगी। जैन समाज प्रवक्ता पंकज बडजात्या ने बताया कि 7 अक्टूबर को दोपहर 2:00 बजे शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर नया बाजार चौमूं से पद यात्रा रवाना होकर शांतिनाथ दरबार सामोद पहुंचेगी जहां शाम को सामूहिक भोजन तत्पश्चात महा आरती सांस्कृतिक कार्यक्रम भजन नृत्य इत्यादि कार्यक्रम सुभाष एंड पार्टी महुआ द्वारा होंगे। दूसरे दिन प्रातः अभिषेक शांति धारा 24 भगवान की पूजन जैन हाउजी अभिषेक मालडाक इत्यादि कार्यक्रम संपन्न होंगे। बाहर से एवं स्थानीय जैन समाज की वात्सल्य भोज की व्यवस्था चौमूं जैन समाज द्वारा होगी। शांतिनाथ दरबार की प्रतिमा अतिश्यकारी प्रतिमा है यह पर्वतों के बीच हसीन वादियां सामोद के प्रसिद्ध महल के पास स्थित है यहां पर सभी भक्तों की मनोकामना पूरी होती है इस क्षेत्र में आसपास के सभी क्षेत्रों से काफी संख्या में लोग आते जाते रहते हैं।

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में होगा सहस्त्र कूट जिनालय का शिलान्यास

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी पहुंची आगरा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। मध्यभारत के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज की प्रेरणा से भारत का सबसे बड़ा गायरह मंजिल सहस्त्र कूट का शिलान्यास सीघ्र किया जायेगा। इस हेतु दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने आगरा में विराजमान मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में सभी विंन्दूओ पर चर्चा कर अंतिम रूप दिया। **तीर्थ क्षेत्र कमेटी ने श्री फल भेंट कर किया निवेदन:** तीर्थ क्षेत्र कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने आगरा से लौटकर बताया कि प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस के साथ कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी मंत्री राजेन्द्र हलवाई कोषाध्यक्ष सौरव वाझल आडिटर राजीव चन्देरी शिरोमणि संरक्षण गौरव जैन टींगू मिल संजीव श्रागर सुनील जैन मनीष जैन सहित अन्य सदस्यों ने श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया करते हुए कहा कि पूज्य श्री मात्र साठ किलोमीटर की दूर से आप वापसी लौट आए एक बार आप अपनी नजर से तीर्थ क्षेत्र का अवलोकन कर लेते तो हम धन्य हो जातें। **हम प्रत्यक्ष सान्निध्य चाहते थे आप यही से आशीर्वाद दे:** कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि हम तो चाहते थे कि आप प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित नहीं हैं तो भी हम आपके आशीर्वाद को ही प्रत्यक्ष गारह मंजिल उतंग सहस्त्र कूट जिनालय का शिलान्यास करना चाहते हैं। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि महाराज श्री आपके आशीर्वाद से तीर्थ क्षेत्र कमेटी निरन्तर क्षेत्र विकास का कार्य कर रही है हमारी कोशिश है कि यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध करायें इस हेतु सुविधाओं में विस्तार किया जा रहा है मंत्री विनोद मोदी ने कहा कि तीर्थ क्षेत्र पर गारह मंजिल उतंग सहस्त्र कूट जिनालय के लिए सात सौ से अधिक प्रतिमाओं को स्थापित करने वाले श्राद्धालुओ के नाम आ गए हैं इस हेतु आपका मार्गदर्शन चाहिए।

पुरूषार्थी व्यक्ति ही अपनी यश अर्जित को बढ़ा सकता है भाग्य के भरोसे बेठा व्यक्ति नहीं बढ़ा सकता है : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। संसार में रहकर भी पुरूषार्थ और यश अर्जित नहीं किया वह व्यक्ति मरे हुए के समान है। गुरूवार को जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार मे महासती धर्मप्रभा ने श्रध्दांलूओ को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि पुरूषार्थी व्यक्ति ही जीवन मे यश अर्जित करता है। वह स्वयं को ही नहीं अपितु अपने परिवार,समाज अथवा देश को गौरवान्वित करता है। भाग्य के भरोसे बैठे रहने से जीवन मे सफलता प्राप्त नहीं होती है,और नाहि वो अपने भाग्य को बदल सकता है। समय बड़ा अनमोल है एक बार हाथ से निकल गया तो दुबारा से समय को नहीं पकड़ सकते है। अंत समय मे सिंफ पश्चाताप के अलावा कुछ नहीं बचने वाला है। इन सांसो के थम ने और इस शरीर को छोड़कर जाने पहले व्यक्ति चैत जाता है और पुरूषार्थ पुण्य का संचय कर लेता है तो वह संसार में अपनी यश किर्ती को बढ़ा सकता है और अपनी आत्मा को सदगिती दिला सकता है। इसदौरान साध्वी धर्मप्रभा एवं साध्वी स्नेहप्रभा ने श्रमण संघ युवाचार्य महेन्द्र ऋषि जी महाराज के जन्म दिवस पर भजन के माध्यम से गुणागान कियें थे।साहूकार पेट श्री एस.एस.जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया धर्मसभा मे चैन्नई अम्बतूर श्री संघ के गौतम चन्द पोखरना,महावीरचन्द बरमेचा, अशोक पोखरना का श्रीसंघ के महामंत्री सज्जनराज सुराणा, शांतिलाल दरड़ा,शम्भूसिंह कावड़िया,पृथ्वीराज वाघरेचा, जंवरीलाल कटारिया ने स्वागत किया और युवाचार्य महेन्द्र ऋषि जी के जन्मदिवस पर धर्मसभा विचार व्यक्त किए।

महावीर जिनालय अंबाह में संपन्न हुआ महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

अंबाह । आचार्य श्री विराग सागर महाराज जी के शिष्य क्षुल्लक श्री 105 विगुण सागर महाराज जी के सानिध्य में महावीर दिगंबर जैन मंदिर चुंगी नाका अंबाह में प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी दशलक्षण पर्व के उपरांत बुधवार 4 अक्टूबर तिथी क्वारवदी छठ को 1:00 बजे भजन और शाम 3:00 बजे महामस्तकाभिषेक का कार्यक्रम रखा गया ।जैन धर्म के अनुसार दसलक्षण पर्व आत्मा की शुद्धि का पर्व होता है ताकि व्यक्ति जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति पा सके। इसलिए इन 10 दिनों में व्रत करने के साथ-साथ दस नियमों का पालन भी किया जाता है। दसलक्षण पर्व का हर दिन क्रमशः उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन एवं उत्तम ब्रह्मचर्य को समर्पित है। ताकि इन सभी को अपनापार व्यक्ति क्रोध, लालच, मोह-माया, ईर्ष्या, असंयम आदि विकारों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्ति के मार्ग पर चल सके। पवन जैन ,मुरारी लाल जैन, अंतराम जैन, पप्पू जैन, महावीर जैन, सुमिति चंद जैन, जगदीश जैन, शिवदयाल जैन, विमल जैन पंडितजी, मुकेश जैन पंडित जी,दिलीप जैन, अनार चंद जैन, राकेश जैन,पिंकी जैन, सेंकी जैन, सौरभ जैन,कपिल जैन, आशीष जैन,विनोद जैन , अन्नू जैन, बंटी जैन,सत्यप्रकाश जैन और जैन समाज के वरिष्ठ लोग शामिल रहे।

शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेदशिखर तीर्थ की परिक्रमा करने रेल से रवाना हुए सैंकड़ों यात्री

9 अक्टूबर को करेंगे पर्वत की 52 किलोमीटर की पैदल परिक्रमा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के सर्वोच्च तीर्थ क्षेत्र श्री सम्मेदशिखर, मधुबन झारखण्ड की चतुर्थ पैदल परिक्रमा तथा पर्वत वन्दना करने के लिये श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में 201 सदस्यीय यात्रा दल जयकारों के बीच जयपुर जंक्शन से रेल द्वारा रवाना हुआ। मुख्य संयोजक मनीष चौधरी के नेतृत्व में जयपुर और बाहर के सैंकड़ों की संख्या में यात्री तीर्थराज सम्मेदशिखर की वंदना और परिक्रमा करने हेतु रवाना हुए। यात्रा संयोजक कैलाश छाबड़ा ने बताया कि रवानगी के मौके पर राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, महामंत्री मनीष बैद, राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, दिगम्बर जैन महासमिति के राजस्थान अंचल अध्यक्ष अनिल जैन, बैंकर्स फोरम के अध्यक्ष पदम बिलाला सहित समाज के कई गणमान्य महानुभाव रेलवे स्टेशन पंहुच कर यात्रा दल को माला पहनाकर रवाना किया। इस मौके पर श्री विद्या सागर यात्रा संघ के मनीष चौधरी,कैलाश छाबड़ा, दिपेश छाबड़ा, अखिलेश गंगवाल, मनोज ठोलिया, नितिन पाटनी, गौरव जैन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भगवान पार्श्वनाथ के जयकारे लगाए। संयोजक नितिन पाटनी ने बताया कि इस यात्रा के दौरान दिनांक 5 अक्टूबर से 11 अक्टूबर के मध्य कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। दिनांक 7 अक्टूबर को तीर्थराज की पैदल वंदना, दिनांक 8 अक्टूबर को श्री सम्मेदशिखर विधान पूजा और 9 अक्टूबर को तीर्थराज की चतुर्थ पैदल परिक्रमा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक मनोज ठोलिया ने बताया कि इस क्षेत्र से असंख्यात चौबीसी एवं अनन्तानन्त मुनीश्वरों ने कर्मनाश कर मोक्षपद प्राप्त किया है। वर्तमान चौबीसी के काल में यहाँ की 20 टोंकों से 20 तीर्थंकरों के साथ 86 अरब 488 कोड़ाकोड़ी 140 कोड़ी 1027 करोड़ 38 लाख 70 हजार 323 मुनियों ने कर्मों का नाश कर मोक्ष पद प्राप्त किया है। ऐसे सभी पापों की निर्जरा करने वाले पावन तीर्थराज की वंदना करने से 33 कोटि 234 करोड़ 74 लाख उपवास का फल प्राप्त होता है। आचार्यों ने लिखा है कि इस बारह योजन प्रमाण वाले सिद्ध क्षेत्र में भव्य राशि कैसी भी हो, अत्यन्त पापी जीव भी इसमें रहता हो, आता हो, बैठता हो अथवा जन्म लेता हो तो वह 48 भवों में नियम से कर्मों का नाश कर बन्धन से मुक्त हो जाता है। मुख्य संयोजक मनीष चौधरी ने बताया कि यात्रा दल 11 अक्टूबर को वापस जयपुर लौटेगा।